एससीआर में चलेगी आर्बिटल रेल और नो एंट्री में दौड़ेगी कार्गो ट्रेन

परियोजना पर मंथन के लिए एलडीए का सहयोग लेगा रेलवे

निशांत यादव • जागरण

लखनऊ : शहर के बाहरी हिस्से को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए प्रस्तावित आर्बिटल रेल कारिडोर को राज्य कैपिटल रीजन (एससीआर) के मास्टर प्लान से जोड़ा जाएगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना का एलाइनमेंट, भूमि की उपलब्धता जैसे विषयों पर मंथन करने के लिए रेलवे एलडीए का भी सहयोग लेगा। रेलवे के अधिकारी अगले सप्ताह एलडीए अधिकारियों के साथ बैठक कर अपनी योजना का प्रस्तुतिकरण देंगे। एलडीए से मास्टर प्लान को लेकर सहमति मिलते ही रेलवे इस प्रोजेक्ट का सर्वेक्षण भी शुरू कर देगा। वहीं, ट्रकों की नो एंट्री के समय शहर में सामान पहुंचाने के लिए रेलवे दो से चार वैगन वाली कार्गो ट्रेन चलाएगा। इस कार्गो ट्रेन के दो रूट होंगे। पहला रूट पिपरसंड से बाराबंकी होगा, दूसरा रूट आर्बिटल रेल कारिडोर से जुड़ेगा।

चारबाग स्टेशन की ओर आने वाली ट्रेनों का दबाव कम करने के लिए रेल मंत्रालय ने करीब 7500 करोड़ रुपये की आर्बिटल रेल कारिडोर योजना को स्वीकृति दे दी है। इसके तहत 170 किमी. नई लाइन बिछाकर उसे लखनऊ शहर की बाहरी सीमा से गुजरने वाले सात रेलखंड से जोड़ा जाएगा। रेलवे इस सेक्शन पर सर्कुलर ट्रेनें चलाकर शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से जाने वाले यात्रियों को भी सुविधा देगी। इस प्रोजेक्ट में सुलतानपुर रेलखंड पर 30 लाइन और 20 प्लेटफार्म वाला ग्रीन फील्ड मेगा पैसेंजर टर्मिनल बनेगा। साथ ही आगरा एक्सप्रेस-वे के पास लाजिस्टिक पार्क बनाने की योजना है। रेलवे ने प्रोजेक्ट के सर्वेक्षण के लिए 4.25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

प्रस्तावित आर्बिटल रेल कारिडोर • रेलवे

7500
करोड़ रुपये की योजना पर एलडीए के साथ अगले सप्ताह बैठक करेंगे रेलवे अधिकारी

ट्रांसपोर्ट शहर के सुनियोजित विकास का ही हिस्सा है। ऐसे में एससीआर में शामिल एलडीए के मास्टर प्लान के अनुसार आर्बिटल रेल की प्लानिंग की जाएगी। जल्द ही इसे लेकर एलडीए के साथ बैठक होगी।
-सचिन्द्र मोहन शर्मा, डीआरएम उत्तर रेलवे लखनऊ

यह है रेलवे के सामने चुनौती : रेलवे के पास इस प्रोजेक्ट के लिए अपना कोई भूमि बैंक नहीं है। ऐसे में उसे एससीआर के मास्टर प्लान में अपने प्रोजेक्ट को शामिल कराने के बाद एलडीए से भूमि प्राप्त करने में आसानी होगी। वहीं, एससीआर में शामिल एलडीए की रिपोर्ट के आधार पर ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बेहतर करने में भी मदद मिलेगी।

इन सात रेलखंडों को जोड़ेगा आर्बिटल रेल कारिडोर : यह कारिडोर लखनऊ-कानपुर, लखनऊ-हरदोई, ऐशबाग-डालीगंज-सीतापुर सिटी, लखनऊ-बाराबंकी-गोंडा, लखनऊ-गोमतीनगर-बाराबंकी, लखनऊ-सुलतानपुर और लखनऊ-रायबरेली रेलखंड को जोड़ेगा।

कार्गो रेल का भी बनेगा प्लान : रेलवे नो एंट्री के समय बाहर से आने वाले ट्रकों के सामान को शहर में पहुंचाने के लिए दो से तीन वैगन वाली कार्गो ट्रेन चलाएगा। इसे लेकर अगले सप्ताह रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होगी। रेलवे कार्गो ट्रेन के जरिए लाजिस्टिक सेवा देकर जहां जरूरत का सामान दिन में बिना किसी बाधा के पहुंचाएगा, वहीं इससे मंडल स्तर पर उसे आय भी होगी।